नवभारत
भोपाल, मंगलवार, 28 जुलाई 2026

सीएमओ हटाने की मांग पर सफाई कर्मियों का धरना

तहसील कार्यालय के सामने जारी है अनिश्चितकालीन प्रदर्शन

नवभारत न्यूज
नौगांव, 27 जुलाई.नगर पालिका परिषद नौगांव के सफाई कर्मियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को अपना आंदोलन और तेज कर दिया.

मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

दोपहर करीब एक बजे बड़ी संख्या में सफाई कर्मी तहसील कार्यालय के सामने टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए. प्रदर्शन के दौरान उन्होंने सीएमओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुलिस प्रशासन के विरोध में भी मुर्दाबाद के नारे लगाए. धरने की सूचना मिलते ही प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी. किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए नौगांव थाना, हरपालपुर थाना, अलीपुर थाना और लुगासी चौकी सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया. हालांकि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन सफाई कर्मी अपनी मांगों पर अडिग दिखाई दिए.

गौरतलब है कि नगर पालिका के सफाई कर्मी पिछले एक सप्ताह से हड़ताल पर हैं. हड़ताल के चलते नगर के कई वार्डों में कचरे के ढेर लग गए हैं, जिससे लोगों को गंदगी और दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है. बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है.

धरने पर बैठे सफाई मित्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता और सीएमओ के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा. वहीं, आंदोलन शुरू होने के बाद भी प्रशासनिक अधिकारियों या जनप्रतिनिधियों की ओर से प्रदर्शनकारियों के साथ कोई ठोस वार्ता नहीं होने से गतिरोध बना हुआ है.

सड़क-नाली निर्माण पर उठे सवाल

निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग

छतरपुर, 27 जुलाई. बछौन से चंद्पुरा तक करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क एवं नाली के निर्माण में कथित अनियमितताओं को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है.

नगरवासियों ने निर्माण कार्य कर रही जीआरटीसी कंपनी पर गुणवत्ता मानकों की अनदेखी करते हुए घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करने और निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो परियोजना की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है.

> नगरवासियों ने शासन-प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच करने तथा यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कार्रवाई की जाए.

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सर्किट हाउस चौराहे के पास बनाई जा रही नाली में कंक्रीट को मजबूती देने के लिए आवश्यक वाइब्रेटर मशीन का उपयोग नहीं किया जा रहा है. इसके अलावा गिट्टी, सीमेंट और रेत की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए हैं. नागरिकों का दावा है कि बिना वाइब्रेटर के ढलाई किए जाने से नाली अंदर से कमजोर रह सकती है और पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होने का खतरा है. हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है.

ठिकाने लगाया जा रहा नौनिहालों का निवाला

हरपालपुर, 27 जुलाई. महिला जागृति साख समूह द्वारा स्कूलों में नौनिहालों को खिलाये जाने वाले मिड -डे मील के राशन को पिसाई के नाम पर साइकिल से संबंधित ठिकानों पर भेजा जा जा रहा है. नगर के रमेश नेक्या ने आरोप लगाते हुए समूह के कर्ताधर्ताओं द्वारा राशन की जा रही कालाबाजारी की जिम्मेदार अधिकारियों से कार्रवाई की मांग उठाई हैं. गौरतलब है कि पहले भी मिड-डे मील का राशन बेचते वक्त सूचना पर पहुंचे प्रशासिनक अधिकारियों द्वारा मौके पर पकड़े जाने पर माल सहित दुकान को सील किया गया था. अब एक बार फिर दोबारा राशन की कालाबाजारी का खेल चल निकला है.

विद्यार्थियों को राष्ट्र की अखंडता की शपथ दिलाई

कारगिल विजय दिवस पर महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

नवभारत न्यूज
चंदला, 27 जुलाई.कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत कारगिल युद्ध में शहीद हुए अमर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई.

प्राचार्य नफीस अहमद ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों का त्याग सदैव प्रेरणादायक रहेगा. उन्होंने छात्र-छात्राओं को राष्ट्र की अखंडता, एकता और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए शपथ भी दिलाई तथा देशहित में अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने का संदेश दिया.

राजनीति शास्त्र विभाग के प्राध्यापक मुकेश तिवारी ने कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना के अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है.डॉ. राजेंद्र सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को देशभक्ति और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया. डॉ. अमरदीप सोनी एवं डॉ. मीनाक्षी ठाकुर ने भी कारगिल विजय दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए.महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया.संचालन डॉ. ए.के. त्यागी ने किया.

कलश चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

ग्रामीण एसपी ऑफिस पहुंचे

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 27 जुलाई. सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित बगौता गांव के करीब 100 वर्ष पुराने बिहारी जी सरकार मंदिर से कलश चोरी होने के मामले में कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीण सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे. ग्रामीणों ने एसपी को आवेदन सौंपकर चोरी का जल्द खुलासा करने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर से कलश चोरी होने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन अब तक मामले का खुलासा नहीं हो सका है. इससे क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है और धार्मिक भावनाएं भी आहत हुई हैं.

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है. पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है.

अजयपार धाम की दानपेटी को लेकर विवाद

छतरपुर, 27 जुलाई . जिले के कैंडी गांव स्थित अजयपार धाम में दानपेटी की राशि को लेकर विवाद सामने आया है . धाम की दानपेटी से 25 हजार रुपये गायब होने की चर्चा के बीच चढ़ावे की राशि को लेकर हुई बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है . हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है . विवाद बढ़ने पर अजयपार धाम के संचालक करन कुशवाहा उर्फ भगत मीडिया के सामने आए और दानपेटी की राशि के गबन के आरोपों को सिरे से खारिज किया . उनका कहना है कि 15 हजार रुपये उनकी साधना यात्रा के दौरान पेट्रोल और अन्य खर्चों में खर्च हुए, जबकि 10 हजार रुपये उनके साथ मौजूद सेवादारों के भोजन, ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च किए गए .

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

दूसरे भाई की हालत गंभीर, जिला चिकित्सालय रैफर

नवभारत न्यूज
बमीठा, 27 जुलाई. बमीठा-पन्ना रोड पर पेट्रोल पंप के पास कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया. दोनों भाई मोटरसाइकिल से

बमीठा-पन्ना रोड पर हादसे की जांच में जुटी पुलिस

बमीठा से अपने गांव पलकोंहा लौट रहे थे. इसी दौरान पन्ना की ओर से तेज रफ्तार में आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी.

हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 के आरक्षक भानू पटेल और पायलट कन्हैया मौके पर पहुंचे तथा दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बमीठा पहुंचाया. यहां चिकित्सकों ने परमलाल आदिवासी पिता हक्कू आदिवासी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल बाबूलाल आदिवासी को प्राथमिक उपचार के बाद 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल रेफर किया गया. मृतक और घायल दोनों सगे भाई एवं पलकोंहा गांव के निवासी बताए गए हैं. हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है. पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है.

नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

छतरपुर. एसपी कार्यालय के सामने सोमवार को 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत दिशा लर्निंग सेंटर द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया.

नाटक के माध्यम से लोगों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया. संस्था की प्रतिनिधि अंजू वर्मा ने बताया कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति युवाओं के भविष्य, स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल रही है. उन्होंने कहा कि जागरूकता और सामूहिक प्रयासों से ही युवाओं को नशे की लत से बचाया जा सकता है. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई.

जेसीबी से खोदा रास्ता आवागमन ठप

छतरपुर, 27 जुलाई. लवकुशनगर तहसील क्षेत्र के बम्होरी और भितरिया गांव को जोड़ने वाले मुख्य सरकारी मार्ग को कथित तौर पर जेसीबी से खोदकर नाले में तब्दील कर दिया गया है. इससे दोनों गांवों के बीच आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है. ग्रामीणों का आरोप है कि हरिशंकर भड़ेरिया और अंजू तिवारी ने रास्ते को खुदवाकर लोगों की आवाजाही बाधित कर दी है. ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बंद होने से किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो गई है.

आंगनवाड़ी केंद्र में गाली-गलौज, मारपीट व धमकी देने का आरोप

नवभारत न्यूज
लवकुशनगर,27 जुलाई. थाना क्षेत्र अंतर्गत पठा चौकी के ग्राम पुरा में एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने केंद्र पर पहुंचकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रोहणी सिंह ने पुलिस को दिए लिखित आवेदन में बताया कि गांव का उदय शिवहरे आंगनबाड़ी केंद्र के मुख्य गेट के सामने आकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने लगा. विरोध करने पर उसने कथित रूप से मारपीट की.यह भी आरोप लगाया गया है कि जब कार्यकर्ता के भाई ने गाली-गलौज करने से मना किया तो आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि 'अकेले में मिलने पर मुंह दिखाने लायक नहीं छोड़ूंगा.

> **इनका कहना है**
> थाना प्रभारी अजय अम्बे ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई थी. शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है .जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

'पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद वह शिकायत लेकर पहले पठा चौकी पहुंची थीं, लेकिन वहां रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने लवकुशनगर थाना में लिखित आवेदन दिया, जिस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया.

भगवां थाना प्रभारी बने राम सिया चौधरी

छतरपुर. जिले में पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत निरीक्षक राम सिया चौधरी

ने सोमवार को भगवां थाना प्रभारी का पदभार ग्रहण कर लिया. पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी. उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा.

पैतृक जमीन विवाद के बीच विवाहिता ने फांसी लगाई

■ छह माह की बेटी हुई बेसहारा ■ पुलिस ने शुरू की जांच

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 27 जुलाई. जिले के ईशानगर थाना क्षेत्र के हतनाई गांव में पैतृक जमीन को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच 21 वर्षीय विवाहिता रानी

मायके पक्ष ने मानसिक प्रताड़ना का लगाया आरोप

आदिवासी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.

घटना के बाद परिवार और गांव में शोक का माहौल है. मृतका अपने पीछे छह माह की मासूम बेटी को छोड़ गई है. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजते हुए मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी.

> परिजनों का आरोप है कि लगातार चल रहे विवाद और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर रानी ने यह कदम उठाया . मृतका के पिता ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है . वहीं, ईशानगर थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी .

मृतका के पिता सजी आदिवासी निवासी भिलगुवा (थाना राजनगर) ने आरोप लगाया कि रानी के चाचा ससुर भुजी और सास भागवती ने पैतृक जमीन का एक हिस्सा बेच दिया था तथा शेष जमीन बेचने की तैयारी कर रहे थे. उनका कहना है कि रानी इसका विरोध करती थी और परिवार की जमीन बचाने की बात कहती थी, क्योंकि उसे बच्चों के भविष्य की चिंता थी. इसी बात को लेकर घर में आए दिन विवाद होता था.

मिसाल किसान घसीटा अहिरवार ने 100 ग्राम बीज से शुरू किया प्रयोग

सूरजमुखी के एक पौधे ने बदली किसान की किस्मत

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 27 जुलाई. जिला मुख्यालय से करीब 6 किलोमीटर दूर ढड़ारी गांव के किसान घसीटा अहिरवार ने एक छोटे से प्रयोग को सफलता की नई मिसाल बना दिया है.

पारंपरिक खेती करने वाले घसीटा ने उड़द के खेत में अपने आप उगे सूरजमुखी के एक पौधे से मिले बीजों को संभालकर अगले सीजन में बोया. महज 100 ग्राम बीज से शुरू हुआ यह प्रयोग आज एक हजार से अधिक सूरजमुखी के पौधों तक पहुंच गया है. खेत में 5 से 8 फीट ऊंचे पीले फूलों से लहलहाती फसल न केवल आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रही है. घसीटा अहिरवार बताते हैं कि शुरुआत में उन्हें सूरजमुखी की खेती की तकनीक की जानकारी नहीं थी. ग्राम पंचायत में कृषि विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के बाद उन्होंने बीज चयन, सिंचाई, पोषण प्रबंधन और कीट नियंत्रण की वैज्ञानिक जानकारी हासिल की. इसके बाद उन्होंने आधुनिक तरीके से खेती शुरू की, जिससे बेहतर उत्पादन मिला. उनका कहना है कि सूरजमुखी की खेती में लागत अपेक्षाकृत कम आती है और समय पर निराई-गुड़ाई व कीटनाशक का छिड़काव करने से अच्छी फसल तैयार होती है. उनकी सफलता से प्रेरित होकर आसपास के 8 से 10 किसान भी अब रबी सीजन में सूरजमुखी की खेती कर रहे हैं.

किसान ने बताया कि पहली फसल से निकाले गए बीजों का तेल अब उनका पूरा परिवार घरेलू उपयोग में ले रहा है.

भविष्य में वे सूरजमुखी का उत्पादन बढ़ाकर अतिरिक्त बीज और तेल बेचने की योजना बना रहे हैं.

एक साल से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट

लवकुशनगर, 27 जुलाई.ग्राम पंचायत बसंतपुर में पिछले लगभग एक वर्ष से स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हैं. इससे गांव की गलियां रात होते ही अंधेरे में डूब जाती हैं और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने प्राथमिक स्कूल के पास से रामेश्वर पटेल के घर, हरिजन मोहल्ला होते हुए माध्यमिक स्कूल और बल्दू के घर के आगे तक बिछी स्ट्रीट लाइट की केबल काट दी थी. ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ स्ट्रीट लाइट निकालकर निजी उपयोग के लिए लोगों के घरों में लगा दी गई हैं.

बेटे-बहू पर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 27 जुलाई. जिले के लवकुशनगर के वार्ड क्रमांक 4 स्थित सिंचाई कॉलोनी निवासी 55 वर्षीय विधवा उषारानी सिंह ने अपने बड़े बेटे ऋषभ सिंह और बहू काजल सिंह पर मारपीट कर घर से निकालने तथा प्रताड़ित करने का आरोप

महिला ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

लगाया है.

पीड़िता छतरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं और लिखित शिकायत देकर कार्रवाई एवं सुरक्षा की मांग की. उषारानी सिंह का आरोप है कि उनका बेटा और बहू घर पहुंचे, जहां दोनों ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें घर से बाहर निकाल दिया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान उनके जेवर छीनने का प्रयास किया गया. विरोध करने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया. पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है.